भारत एवं राजस्थान सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

आरएनआई पंजीयन RAJHIN/2016/72902

डाक पंजीयन RJ/ UD/ 29-150/ 2023-2025

शब्द रंजन

संस्थापक एवं संरक्षक डॉ. महेन्द्र भानावत

विचार एवं जनसंवाद का पाक्षिक

वर्ष 09 | अंक 15 | उदयपुर गुरुवार 15 अगस्त 2024 | पेज 8 | मूल्य 5 रू.

'सौना सरमन' पूजने-पुजाने की परम्परा

-डॉ. कल्याण प्रसाद वर्मा -

श्रावणी पूर्णिमा को परम्परागत रक्षाबन्धन का पर्व बड़े उत्साह से मनाया जाता है। यह त्यौहार यद्यपि भाई-बहिन के राखी बांधने और स्नेह के रूप में मनाया जाता है तथापि इस त्यौहार का श्रीगणेश घर में सबसे पहले जिस रूप में किया जाता है वह है- 'सौना-सरमन' के पूजन की आनुष्ठानिक परम्परा से। सभी जगह विशेषकर उत्तरी भारत, ब्रज प्रदेश व राजस्थान के पूर्वांचलीय क्षेत्र के सुदूर गाँव-गाँव तक रक्षाबन्धन के दिन इस पर्व की शुरुआत घरों के दरवाजों पर लाल रंग अथवा गेरू से मांढ़े गए 'कांवड़' का घी-बूरे युक्त चावल-

सेवइयों की खीर के साथ रंग-बिरंगी सौन राखियों को चिपका कर पूजन किए जाने की जो लोक भावना संचरित है वह इस आनुष्ठानिक पर्व के प्रति जन-आस्था की मुखर साक्षी है। लोकभाषा में इस पूजन को 'सौना-सरमन' के पूजन से अभिहित किया जाता है ।

'सौना-सरमन' पूजन का प्रारम्भ कब से हुआ और राखी के त्यौहार पर इसके पूजने की परम्परा क्यों प्रारम्भ हुई ? इसका उल्लेख तो नहीं मिलता, किन्तु इसके सूत्र श्रावणमास में ले जाई जाने वाली कांवड़-यात्रा में अवश्य दिखलाई पड़ते हैं। माना जाता है कि त्रेतायुग में श्रवणकुमार ने अपने अंधे-माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर तीर्थस्थलों की यात्रा करायी थी और मातृ-पितृ भक्ति के क्षेत्र में उच्च स्थान प्राप्त कर अमर हो गये। हो न हो, उन्हीं श्रवणकुमार की मातृ-पितृ भक्ति के आदर्श की स्मृति बनाए रखने के लिए 'कांवड़ यात्रा' की परम्परा चल पड़ी हो।

इस आनुष्ठानिक लोक परम्परा के पीछे श्रवणकुमार से जुड़ी एक लोकगाथा भी प्रचलित है जो समस्त ब्रज प्रदेश में बड़े चाव से सुनी जाती है। इस लोकगाथा का कथानक श्रीमद्वाल्मीकिय रामायण के अयोध्या काण्ड के सर्ग 63-64 पर आदृत है। प्रसंगानुसार पुत्र शोक से पीड़ित राजा दशरथ कौशल्या को अपने द्वारा मुनिकुमार (श्रवणकुमार) को शब्दभेदी बाण द्वारा मार दिए जाने का वृतान्त सुनाते हुए बताते हैं कि श्रवणकुमार के माता-पिता ने उन्हें पुत्र शोक से ही पीड़ित होने का शाप दिया था। इसी क्रम में राजा दशरथ कौशल्या को कहते हैं कि लगता है राम वनगमन के समय अब वह शाप सत्य प्रमाणित होने वाला है और राम का स्मरण करते हुए 'हा राघव महाबाहो हा ममायासनाशन हा पितृ प्रिय मे नाथ हा ममासि गतः सुत। गतेऽर्धरात्रे भृशदुःखपीड़ित स्तदाजहौ प्राणमुदार दर्शनः राजा दशरथ ने प्राणों को त्याग दिया।

(द्रष्टव्य : वाल्मीकिय रामायण, पृ. 354)

कहना न होगा इस परम्परा की फलश्रुति जनमानस में दो रूपों में प्रतिफलित होती दृष्टिगोचर होती है। एक जहाँ शिवभक्त दूर-दूर से पवित्र नदियों का जल कांवड़ में लाकर शिव मन्दिरों में चढ़ाकर अवढरदानी शिव से कल्याणार्थ आशीर्वाद पाने की आकांक्षा का दूसरा अपने घरों के दरवाजों पर कांवड़ के रूप में 'सौना-सरमन' के लोक माण्डने मांढ़कर मातृ-पितृ भक्ति के प्रति अपनी आस्था प्रकट करने का; ये दोनों ही रूप आज जन-मानस में समादृत हैं ।

श्रवणकुमार का चरित्र माता-पिता की सेवा-सुश्रूसा के आदर्श के रूप में आज भी प्रासंगिक है जहाँ हमें माता-पिता की सेवा करने की शिक्षा मिलती है। इसके अतिरिक्त प्राचीन समय में कांवड़ से ही पानी लाया जाता था। सुदूर गाँवों में, जहाँ पेयजल की आधुनिक व्यवस्था नहीं है वहाँ अब भी कांवर (बहँगी) पानी लाने-ले जाने में काम में लायी जाती है। इतना ही नहीं, श्रवणकुमार का चरित्र भारतीय सांस्कृतिक परम्परा का अंग बन गया है। यही कारण है कि रक्षाबन्धन के अवसर पर हर घर के द्वारे-द्वारे श्रवणकुमार कंधे पर कांवड में अंधे माता-पिता को ले जाते हुए मांडने के रूप में माढ़े व उकेरे जाते हैं। दूसरे, भारतीय संस्कृति की जाति-पांति की अनेकता में एकता वाली विशिष्टता भी श्रवणकुमार और दशरथ के प्रसंग से अनावृत होती है जहाँ श्रवणकुमार ने प्राण त्यागते समय राजा दशरथ को उनसे ब्रह्म हत्या न होने की शंका को निर्मूल करते हुए अपनी माता शूद्र और पिता वैश्य जाति से जुड़ा होना बताते हैं।

(द्रष्टव्य : वाल्मीकि रामायण, पृ. 349)

कहना न होगा इस लोकपर्व के पीछे श्रवणकुमार की मातृ-पितृ भक्ति से प्रेरित शिवभक्तें द्वारा कांवड़ यात्रा को सतत गतिमान बनाए रखने की दृष्टि से राखी के दिन माण्डने के रूप में चिरस्थायी बनाए रखने का पवित्र उद्देश्य रहा होगा। यही कारण है कि 'सौना-सरमन' पूजने की आनुष्ठानिक परम्परा आज भी विद्यमान है। यह बात अलग है कि आज घरों के दरवाजों पर कांवड के माण्डनों का वह रूप नहीं उकेरा जाता और चौखट के दोनों तरफ मात्र स्वास्तिक या गोल घेवरनुमा चित्र बनाकर अथवा 'सीताराम-राधेश्याम' लिखकर इस अनुष्ठान की प्रतिपूर्ति कर ली जाती है।

इस आनुष्ठानिक परम्परा का एक और लोकपक्ष उजागर होता है कि 'सौना-सरमन' के लोक माण्डने पूरे एक माह अर्थात् भाद्रपद-भाद्रपद तक रखे जाते हैं तत्पश्चात भाद्रपद की पूर्णिमा के दिन प्रथम श्राद्ध लगने से पहले इन माण्डनों को सफेदी से पोत कर साफ कर दिया जाता है क्योंकि ऐसा लोक-विश्वास है कि श्राद्ध पक्ष से पहले 'सौना-सरमन' के माण्डनों को हटा देना सुख-समृद्धि कारक होता

जे.के.टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड
जेकेग्राम, कांकरोली (राज.)

स्वाधीनता दिवस
के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं

JK TYRE
& INDUSTRIES LTD.
SELECTED
Superbrand
INDIA 2009-10
CONSUMER VALIDATED

आईटीसी होटल्स का राजस्थान में विस्तार

उदयपुर (ह. सं.)। आईटीसी होटल्स ने पुष्कर में एसआरके

हॉस्पिटेलिटी प्रा. लि. के साथ वैलकम होटल प्रॉपर्टी को साईन किया है। तीन एकड़ में फैली यह प्रॉपर्टी 2026 में खुल जाएगी। हवाई, रेल या सड़क मार्ग के ज़रिए यहां आसानी से पहुंचा जा सकता है। किशनगढ़ एयरपोर्ट से मात्र 50 किलोमीटर की दूरी पर स्थित वैलकम होटल पुष्कर में सभी सुविधाओं से युक्त 96 कमरे, पर्याप्त बैंक्वेट सुविधाएं होंगी। इसमें ऑल-डे डाइनिंग रेस्टोरेन्ट, लॉबी लाउंज, स्पेशलटी रेस्टोरेन्ट, बार, स्विमिंग पूल, फिटनैस सेंटर, स्पा और किड्स क्लब सहित सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

आईटीसी होटल्स के चीफ़ एक्जक्टिव अनिल चड्ढा ने कहा कि अपनी स्ट्रेटेजी के चलते वैलकम होटल ब्राण्ड लगातार विकसित हो रहा है। महेश अडवाणी और अजय मोदी, एसआरके हॉस्पिटेलिटी प्रा. लि. ने कहा कि पुष्कर की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। इस नगर में बढ़ते मांग को देखते हुए हमें विश्वास है कि वैलकम होटल पुष्कर पर्यटकों को सबसे बेहतरीन सेवाएं उपलब्ध कराएगा।

मोटोरोला ने लॉन्च किया मोटोरोला एज 50

उदयपुर (ह. सं.)। मोटोरोला ने मोटोरोला एज 50 को भारत में लॉन्च किया है। मोटोरोला इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर टी.एम. नरसिम्हन ने कहा कि मोटोरोला के प्रीमियम एज सीरीज़ में शामिल किए गए सबसे नए स्मार्टफ़ोन के रूप में, मोटोरोला एज 50 में एमआईएल- 810एच मिलिट्री ग्रेड ड्यूरेबिलिटी और आईपी68 अंडरवॉटर प्रोटेक्शन जैसे कई बेमिसाल फीचर्स मौजूद हैं।

इसी वजह से यह आईपी68 एमआईएल-810एच मिलिट्री ग्रेड सर्टिफाइड सबसे टिकाऊ स्मार्टफ़ोन है। इसमें सोनी सेंसर 700सी के साथ इस सेगमेंट का सबसे शानदार मोटो एआई पावर्ड कैमरा लगाया गया है, साथ ही इसमें 6.7, 1.5 के सुपर एचडी +एचडीआर 10+ कर्व्ड डिस्प्ले के अलावा ढेर सारे प्रीमियम फीचर्स भी मौजूद हैं। लॉन्च के समय मूल्य 8 जीबी +256 जीबी 27,999 रुपये है। मोटोरोला एज 50 बड़ी संख्या में स्मार्टफोन यूजर्स की महत्वपूर्ण ज़रूरत को पूरा करता है, क्योंकि यह बोल्ड एवं ड्यूरेबिलिटी पर आधारित होने के साथ-साथ प्रीमियम, अल्ट्रा-स्लीक डिज़ाइन बिल्कुल सही मिश्रण है।

vedanta
transforming for good
HINDUSTAN ZINC
Zinc & Silver of India

हिन्दुस्तान ज़िंक के 'इकोजेन' एशिया के पहले कम कार्बन वाले 'ग्रीन' ज़िंक के साथ मिल कर रखें भारत के मजबूत विकास की नींव

आप सभी को 78 वें
स्वतंत्रता दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएं

• रिन्यूएबल एनर्जी के उपयोग से बने, इकोजेन में उत्पादित ज़िंक के प्रति टन कार्बन समतुल्य 1 टन से भी कम कार्बन फुटप्रिंट है • वैश्विक औसत की तुलना में 75 प्रतिशत कम ग्लोबल वार्मिंग की खासियत • इकोजेन के साथ एक टन स्टील को गैल्वनाइज करने में लगभग 400 किलोग्राम का कुल कार्बन उत्सर्जन की बचत • स्टील, ऑटोमोटिव, इंफ्रास्ट्रक्चर और सनराइज सेक्टर जैसे रिन्यूएबल एनर्जी, हाई टेक मैन्युफैक्चरिंग, ऊर्जा भंडारण और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में उपयोग किये जाने वाले उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला।

यहां स्कैन कीजिये और जानिये किस तरह गैल्वेनाइज्ड ज़िंक, इंफ्रास्ट्रक्चर, भवन और स्मारक समय की कसौटी पर खरे उतरते है।

EcoZen
Low carbon zinc

Yashad Bhawan, Udaipur - 313 004, Rajasthan, INDIA. Contact No: +91 294-6604000-02 www.hzlindia.com CIN L27204RJ1966PLC001208

https://www.linkedin.com/company/hindustanzinc/ https://www.facebook.com/HindustanZinc/ https://twitter.com/Hindustan_Zinc https://www.instagram.com/hindustan_zinc/

GMCH
GEETANJALI HOSPITAL
HEALTH IS HAPPINESS
H-2018-0535 HOSPITAL
MC-3461 LABORATORY
BB-2022-0130 BLOOD BANK
E-2023-0051 EMERGENCY
जब बात हो
मस्तिष्क
की तो समझौता ना करें,
भरोसा करें सिर्फ अनुभवी
विशेषज्ञों
पर!!
न्यूरो विशिष्ट सुविधायें
• 30 बेडेड न्यूरो समर्पित आई.सी.यू.
• 3.0 टेस्ला एम.आर.आई. एवं 256 सी.टी. स्कैन
• न्यूरो नेविगेशन
• हाईएंड एडवांस माइक्रोस्कोप
• मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर
• एक मात्र NAT टेस्टेड ब्लड सेन्टर
गीतांजली एडवांस्ड न्यूरोसाइंस सेंटर के एक्सपर्टस की टीम
न्यूरोलॉजिस्ट
+ डॉ. अनीस जुक्करवाला
+ डॉ. रेणु खमेसरा
+ डॉ. विनोद मेहता
+ डॉ. निशान्त अश्वनी
ब्रेन व स्पाइन सर्जन
+ डॉ. गोविन्द मंगल
+ डॉ. गौरव गुप्ता
न्यूरो वैस्कुलर इन्टरवेंशनल रेडियोलोजिस्ट
+ डॉ. सीताराम बारठ
न्यूरो एनेस्थेटिस्ट एवं इन्टेंसिविस्ट
+ डॉ. नीलेश भटनागर
+ डॉ. आशीष पटियाल
+ डॉ. रामविलास मीणा
आई.सी.यू. इन्टेंसिविस्ट
+ डॉ. शुभकरन शर्मा
+ डॉ. संजय पालीवाल
+ डॉ. प्रमोद सूद
+ डॉ. सैयद जावेद
मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना
राजस्थान गवर्नमेंट हैल्थ स्कीम (RGHS)
सभी सरकारी, निजी, टी.पी.ए. (TPA) व इन्श्योरेन्स से अधिकृत।
गीतांजली मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल, उदयपुर (राज.)
नेशनल हाईवे-8 बायपास, एकलिंगपुरा चौराहा के पास
+91 294 2500044

शब्द रंजन

उदयपुर, गुरूवार 15 अगस्त 2024

सम्पादकीय

युवा और शिक्षा में बदलाव

पिछले 40 वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में अनेक प्रयोग हुए हैं। शासन ने विशिष्ट आयोग बिठाकर उससे सही शिक्षा-योजना के प्राधार भी प्राप्त किये हैं। यह भी सर्वत्र महसूस किया गया कि ब्रिटिश शासन के समय की किताबी पढ़ाई निरर्थक थी। वह बच्चों के जीवन से जुड़ी हुई नहीं थी। जिस वातावरण में बच्चा रहता था या जिस देश का निवासी था उसकी जीवन पद्धति एवं उसके जीवनादर्शों से शिक्षा मेल खाने वाली नहीं थी। जो कुछ भी पाठ्य-पुस्तकों में लिखा रहता उसी को उगल देना शिक्षा समझा जाता था!

इस प्रकार की शिक्षा से बौद्धिक एवं श्रमिक वर्ग का फासला भी बहुत चौड़ा हो गया। जो पढ़ लिखकर ऊँची डिग्रियाँ प्राप्त कर लेता उसे अपने हर दैनिक काम के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। घर में बिजली गुल हो गई तो उसको यह मालूम नहीं कि फ्यूज कैसे ठीक करते हैं। अपनी साईकल का पंचर निकालना भी उसके लिये मुश्किल होता था। घर में कोई मेज, कुर्सी टूट जाती तो उसकी मरम्मत के लिये बढ़ई की आवश्यकता होती थी। वे सब बातें याद हैं जब कि हमें अपने कपड़ों की मरम्मत करना एवं कमीज के बटन तक लगाना नहीं आता था। उन दिनों बड़े, छोटों का बड़ा भेद था। जो बड़े घर के होते थे, उनके पीछे हर जगह एक नौकर का चलना आवश्यक होता था। वजन उठाकर चलने में उन्हें शरम आती थी। बाज़ार से सब्जी, सौदा लाना उनके लिए असम्भव था ।

बड़े घर ही की बात क्यों, मध्यम श्रेणी के बालकों में भी आम ज्ञान की भयंकर कमी थी। कपड़ा वे स्वयं धो अवश्य लेते थे परन्तु इस्तरी करना उन्हें नहीं आता था। इतिहास, भूगोल, गणित, अंग्रेजी, हिन्दी की भारी भरकम पुस्तकें लाज़मी रूप से पढ़ाई जाती थीं, परन्तु उनका जिन्दगी के साथ कोई विशेष सम्बन्ध नहीं था। इतिहास की पुस्तकों में अधिकांश इतिहास, इंग्लिस्तान का होता था। भूगोल का ज्ञान इतना किताबी था कि हमें अपने गांव में बहने वाली नदी का उद्‌गम एवं प्रसार क्षेत्र तक मालूम नहीं था।

किसान के लड़के भी उन दिनों पढ़ने के लिए स्कूलों में प्रवेश पाने लगे थे परन्तु उनको जो पढ़ाया जाता था, उसका उनकी खेती से कोई सम्बन्ध नहीं था। हमारे साथ कुछ आदिवासी लड़के भी पढ़ते थे परन्तु उन्हें ऐसी पढ़ाई पढाई जाती थी जिससे वे अपने आदिम स्वभाव एवं व्यवसाय से नफरत करने लगते थे। किसान के बच्चे को खेत पर जाकर खेती करने में शर्म आती थी। दर्जी का लड़का कभी घर में जाकर कपड़ा नहीं सीता था। बढ़ई-लुहार के लड़के अपने व्यवसाय से नफरत करते थे।

सर्वप्रथम महात्मा गांधी ने इस विषमता का अनुभव किया और उन्होंने हमें बुनियादी तालिम की योजना प्रदान की। इसका मूल लक्ष्य यह था कि पढ़ाई जो भी हो वह काम के साथ जुड़ जाय ताकि जीवनोपयोगी तो हो ही, साथ ही श्रम के प्रति आदर भाव पैदा करे। इस सम्बन्ध में कई योजनाएं बनीं और उनका आंशिक प्रतिपादन भी हुआ परन्तु नई बात नौ दिन के हिसाब से वह योजना भी गांधीजी के साथ चली गई। हमारे शिक्षा क्रम में प्राथमिक, माध्यमिक एवं कॉलेजी पढ़ाई एक-दूसरे से क्रमवार जोड़ दी गई। प्राथमिक श्रेणी पास कर लेने पर माध्यमिक श्रेणी में जाना लाजमी था और माध्यमिक कक्षाओं के बाद कॉलेजों में प्रवेश पाना हर एक का अपना अधिकार समझा जाता था। कोई भी यह नहीं बताता कि सबको कॉलेज में जाना आवश्यक नहीं। कॉलेज स्तर के नीचे भी ऐसी पढ़ाई है जिसे प्राप्त कर लेने पर बच्चा योग्यतम बन सकता है परन्तु दुर्भाग्य की बात यह है कि पढ़ाई में जिसका दिमाग नहीं चलता है वह भी पढ़ ही रहा है। उसे यह बताने वाला भी नहीं मिलता कि भगवान ने उसे अनेक ऐसी कुवतें दी हैं जिन्हें उसे बढ़ाना चाहिये।

शुभ विवाह

रविवार 11 अगस्त को शैलेन्द्र-नीलम तलदार के पुत्र देवेश का शुभ विवाह सुरेश-वर्षा कटारिया की पुत्री जूही के साथ सोलिटेयर रिसोर्ट में सम्पन्न हुआ। शब्द रंजन की ओर से हार्दिक बधाई।

स्वाधीनता दिवस पर टीएडी मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने फहराया तिरंगा

उदयपुर (ह. सं.)। स्वाधीनता दिवस पर मुख्य समारोह गांधी ग्राउण्ड में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि जनजाति क्षेत्रीय विकास एवं गृह रक्षा विभाग मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने ध्वजारोहण कर परेड का निरीक्षण किया। इसके बाद पुलिस, एनसीसी, स्काउट व गाइड के छात्र-छात्राओं द्वारा मार्च पास्ट किया गया। समारोह में एडीएम प्रशासन दीपेन्द्र सिंह ने राज्यपाल के संदेश का पठन किया।

इस अवसर पर उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, जिला प्रमुख श्रीमती ममता पंवार, विधायक ताराचंद जैन, नगर निगम महापौर गोविन्दसिंह टांक, जिला एवं सत्र न्यायाधीश ज्ञानप्रकाश गुप्ता, संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट, आईजी अजयपाल लांबा, जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल, एसपी योगेश गोयल, युडीए आयुक्त राहुल जैन, नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश, एडीएम सिटी राजीव द्विवेदी, जिला परिषद सीईओ कीर्ति राठौड़, पूर्व विधायक वंदना मीणा, उप जिला प्रमुख पुष्कर तेली, रवीन्द्र श्रीमाली, चन्द्रगुप्तसिंह चौहान सहित जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी, शहीदों व स्वतंत्रता सेनानियों के परिजन एवं विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी और शहरवासी मौजूद थे।

समारोह में शहीद लेफ्टिनेंट अभिनव नागौरी के पिता धर्मचन्द्र नागौरी व माता सुशीला नागौरी, शहीद मेजर मुस्तफा की माता श्रीमती फातिमा, शहीद अर्चित वर्डिया की माता बीना वर्डिया, शहीद मोहनलाल तेजावत की पत्नी श्रीमती शंकरदेवी तेजावत, स्वतंत्रता सेनानी कन्हैयालाल की पत्नी श्रीमती चांदकुंवर को शॉल ओढ़ाकर व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही लोकतंत्र सेनानियों का भी अभिनंदन किया गया।

स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित समारोह में सम्मानित होते निशा राठौड़, करणसिंह सोलंकी, शांतिलाल कासलीवाल एवं गोपाल लोढ़ा

समारोह में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए 97 लोगों को किया सम्मानित किया गया। संचालन राजेन्द्र सेन, डॉ. सीमा चंपावत और माधुरी शर्मा ने किया।

एनएसएस में झण्डारोहण

उदयपुर (ह. सं.)। नारायण सेवा संस्थान के सभी परिसरों में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। मानव मन्दिर प्रांगण में संस्थापक पद्मश्री कैलाश मानव, अंकुर कॉम्प्लेक्स में संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, माली कॉलोनी में सहसंस्थापिका कमलादेवी अग्रवाल व सेवामहातीर्थ में निदेशक वंदना अग्रवाल ने झंडारोहण किया।

धोखाधड़ी से बचने का दिया संदेश

उदयपुर (ह. सं.)। एचडीएफसी बैंक ने ग्राहकों को धोखाधड़ी वाले ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म से सावधान रहने की सलाह दी है, जो ज्यादातर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से निवेश के अवसर प्रदान करते हैं। इसका उद्देश्य ग्राहकों की सुरक्षा के लिए संभावित निवेश धोखाधड़ी के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

एचडीएफसी बैंक के कार्यकारी उपाध्यक्ष - क्रेडिट इंटेलिजेंस और कंट्रोल मनीष अग्रवाल ने कहा कि निवेश धोखाधड़ी के मामलों में धोखेबाज आमतौर पर स्टॉक, आईपीओ, क्रिप्टोकरेंसी, बिटकॉइन आदि में निवेश पर असामान्य रूप से उच्च रिटर्न का वादा करते देखे जाते हैं। इसमें नकली स्वचालित निवेश प्लेटफॉर्म या ऐप बनाना शामिल है, जहां पीड़ितों को निवेश में उच्च रिटर्न का संकेत देने वाले नकली डैशबोर्ड दिखाई देते हैं। ऐसे प्लेटफॉर्म को सोशल मीडिया पर भी प्रचारित किया जाता है, जिसमें लोगों को इन उच्च रिटर्न वाली निवेश योजनाओं में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाता है, जो वास्तव में फर्जी हैं।

प्राण से ज्यादा हमें ये देश प्यारा है

एक हैं हम एकता जीवन का नारा है।
प्राण से ज्यादा हमें ये देश प्यारा है।।
हिंद पर कुर्बान होने की कसम खाओ
जीत अपनी है जवानों तुम बढ़े जाओ
सत्य मरता है नहीं युग के बदलने से
भावना को बल मिलेगा साथ चलने से
हम नहीं हारे मगर इतिहास हारा है।
एक हैं हम एकता जीवन का नारा है।।

न्याय की होगी विजय अन्याय के छल पर
देश का सपना लिखो जनतंत्र के बल पर
जंग से जो जिंदगी के क्रम बदलता है
एक झूठे दंभ से इंसान जलता है
त्याग और बलिदान का गौरव हमारा है।
एक हैं हम एकता जीवन हमारा है।।

हर नए संघर्ष ने जीना सिखाया है
चेतना का जन स्वरों में ज्वार आया है
ये अहिंसा की जमी भारत हमारा है
प्राण से ज्यादा हमें ये देश प्यारा है
एक हैं हम एकता जीवन का नारा है।
हम नहीं हारे मगर इतिहास हारा है।।

- वेदव्यास

हर पल परिवार जैसा ख़याल !
think ...
GBH First
दक्षिणी राजस्थान का पहला NABH
मान्यता प्राप्त कॉर्पोरेट हॉस्पिटल
PATIENT SAFETY & QUALITY OF CARE
NABH
ACCREDITED
19
YEARS OF CONSISTENT QUALITY HEALTHCARE SERVICES
बेहतर इलाज
और विश्वास के
19 साल
अब तक 13 से अधिक मरीजों का सफल उपचार
विश्वसनीय सुपर स्पेशियलिटी सुविधाएं
कार्डियोलॉजी
कार्डियोथोरेसिक सर्जरी
न्यूरोलॉजी
न्यूरो सर्जरी
नेफ्रोलॉजी
यूरोलॉजी
गैस्ट्रोएंटरोलॉजी
एंडोक्राइनोलॉजी
ज्वाइंट रिप्लेसमेंट
लेप्रोस्कोपिक और बेरियाट्रिक सर्जरी
बर्न और प्लास्टिक सर्जरी
24/7 Services
• डायलिसिस • रेडियोडायग्नोस्टिक्स • लेबोरेटरी • ब्लड सेन्टर* • फार्मेसी • एम्बुलेन्स
RGHS
ESIC
NWR
RSMM
SBI
TPA व इंश्योरेंस में कैशलेस इलाज
*शर्तें लागू
CT Scan
Cardiac & Neuro Intervention Cathlab
MRI *
GBH AMERICAN
इमरजेन्सी हेल्पलाईन 9352304050
जीबीएच अमेरिकन हॉस्पिटल
भट्ट जी की बाड़ी, उदयपुर
Ph.0294-3535000
contact@gbhamerican.com
www.gbhamericanhospital.com

Pacific Medical University, Udaipur
(Established by the Rajasthan state legislative assembly by an Act No. 6 of 2014 dated March 04, 2014 &
approved under section 2(f) of the UGC Act, 1956)
PMCH
HEALTH ADVISORS
क्या आप 12वीं साइंस के बाद 2 साल में
₹2,50,000 लाख की
सालाना आय
या उससे अधिक कमाना चाहते हैं?
100% JOB ASSURANCE
केवल ₹70,000 शुल्क में
पैरा मेडिकल कोर्स करें
और उज्ज्वल भविष्य पाएं।
ADMISSION OPEN 2024-25
राजस्थान पेरामेडिकल कौंसिल से मान्यता प्राप्त डिप्लोमा व डिग्री कोर्स
PACIFIC COLLEGE OF PARAMEDICAL SCIENCE
BACHELOR | DIPLOMA
समय अवधि : 3 वर्ष + 1 वर्ष इंटर्नशिप
समय अवधि : 2 वर्ष
ELIGIBILITY : 10+2 (SCIENCE STREAM)
• Medical Laboratory Technology
• Radiation/Medical Imaging Tech.
• Dialysis Technology
• Ophthalmic Technology
• Operation Theater Technology
• Cath Lab. Technology (Diploma Only)
• Orthopedic Technology
• Emergency & Trauma Care Tech.
• ECG Technology
• Endoscopy Technology
• EEG Technology
• Blood Bank Technology (Diploma Only)
"Study in a college with a 1200-bedded Multi-Speciality hospital over 2000 OPDs daily."
SCAN FOR MORE DETAILS
PACIFIC MEDICAL UNIVERSITY, UDAIPUR
Bhilo ka bedla, (Amberi) Udaipur, Rajasthan | info@pacificmedicaluniversity.ac.in
Ph. : 76650 17743, 95878 94326
www.pacificmedicaluniversity.ac.in

नंद चुतर्वेदी जन्म शतवार्षिकी परिसंवाद

विचारधारा से परे समय को रचनाओं में समाहित करनेवाले आत्मान्वेषी कवि थे नंद बाबू : आचार्य

उदयपुर (ह. सं.)। नन्द बाबू आधुनिक कविता के पुरोधा थे। वे समाजवादी कार्यकर्ता थे, किंतु उनकी रचनाओं में समाजवादी समाजवाद के बजाए समय और परिस्थितियों का मर्म था। कविता उनके लिए मानवानुभूति वाले आत्मानुभूति का विषय था। ये विचार साहित्य अकादमी नई दिल्ली तथा नन्द चतुर्वेदी फाउंडेशन उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में नंद चतुर्वेदी जन्मशतवार्षिकी परिसंवाद में मुख्य वक्ता प्रख्यात साहित्यकार नंदकिशोर आचार्य ने व्यक्त किए।

आचार्य ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि लोकार्पण कार्यक्रम में मुझे अवसर मिला। कविता अपने आप में ज्ञान की प्रक्रिया है। कविता पूर्व निर्धारित सत्य का आँकलन नहीं है। कविता काल संवाहक होती है काल बाधित नहीं होती।

नन्द बाबू की कविता भी काल बाधित नहीं है। उनकी कविता स्थूल सन्दर्भ से परे है। उनकी कविता में संयम भी है और जीवन में संघर्ष के प्रति आस्था भी। यह समझ पाठक में नन्द बाबू की कविता को पढ़कर ही आती है। उनकी कविता समय की अनुभूति ही नहीं आत्मान्वेषण की कविता भी है।

डॉ. माधव हाड़ा ने कहा कि नन्द चतुर्वेदी ने स्वयं को कभी खूंटे से नहीं बाँधा। भले ही उनको समाजवादी कवि कहा गया किन्तु हमेशा उनका कवि आगे रहा, वे जीवन के अभाव की कविता में राग की कविता के कवि है। उनकी कविता में कृष्ण, अर्जुन, महाभारत के चरित्र भी हैं तो पद्मिनी, भगवान बुद्ध भी नज़र आते हैं। उनके अनुसार जहां पारम्परिक कविता ने देह के प्रति सरोकार कम है, वहीं नंद बाबू की कविता में यह स्पष्टता से दिखाई देता है।

कार्यक्रम के अध्यक्ष नन्द चतुर्वेदी फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रो. अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि अकादमी की अपनी सीमाएं है कि वे आयोजन कहाँ कैसे करें। नंद बाबू ने भी राजस्थान साहित्य अकादमी में भी साहित्य को बढ़ावा देने हेतु अकादमी में सदस्य संख्या बढ़ाने हेतु सरकार को भी पत्र लिखा था।

उन्होंने कहा कि मैं राजनीति शास्त्र का विद्यार्थी होने के नाते उन्हें साहित्यकार के रूप में इतना बारीकी से नहीं देख पाया हूँ।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में स्वागत उद्बोधन अजय शर्मा सहायक संपादक, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली ने दिया जबकि नन्द चतुर्वेदी फाउंडेशन के सचिव डॉ. अनुराग चतुर्वेदी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने केंद्रीय अकादमी नई दिल्ली और राजकमल प्रकाशन का विशेष आभार व्यक्त किया।

उद्घाटन सत्र में ही पल्लव नंदवाना द्वारा संपादित और राजकमल प्रकाशन द्वारा प्रकाशित नन्द चतुर्वेदी की रचनाओं का चार खंडों का संकलन नन्द चतुर्वेदी : रचनावली का भी लोकार्पण किया गया।

परिसंवाद कार्यक्रम के प्रथम सत्र के वक्ता शम्भू गुप्त ने अपने वक्तव्य में कहा कि नन्द बाबू साहित्य क्षेत्र मे संरक्षक की भूमिका निभाते थे। नन्द बाबू में आत्म निरीक्षण, आत्म संशोधन की भावना है। वे आत्मसजग भी हैं। नन्द बाबू की कविताओं में रूपक है जिसमें महाभारत प्रमुख है। हमें हमारे रूपकों, मिथकों की पुनर्नव्याख्या करनी चाहिए। नंद बाबू रूपक और प्रतीक में लिखते हैं इसलिए उनकी कविताओं में वैचारिक संकट नहीं है। वे कहते हैं कि कवि की कविता हर समय प्रासंगिक होती है।

देवेंद्र चौबे ने कहा कि नंद बाबू की कविताओं में सामाजिक तथ्य हैं। उनकी कविता सामाजिक तथ्यों को समझने का स्रोत है। डॉ. रेनू व्यास ने कहा कि नंद बाबू ने अपनेआप को अस्थिर और अधीर समय का कवि कहा है। नंद बाबू की हर तीसरी कविता में एक व्यक्ति तानाशाही के खिलाफ खड़ा नजर आता है।

हेमंत शेष ने कहा कि कुछ लेखकों का साहित्य हिंदी में जलने वाले धूप की तरह होता है। नंद बाबू का साहित्य भी ऐसा ही है जो धीमे-धीमे जलता है लेकिन खुशबू देर तक देता रहता है।

डॉ. पल्लव ने नन्द बाबू की 'अतीत राग' पुस्तक पर अपनी बात रखते हुए कहा कि नन्द बाबू ने इस पुस्तक में उनके बारे में भी लिखा। मलय पानेरी ने कहा कि नन्द बाबू के रचनाकार व्यक्तित्व की विशेषता है कि वे सामान्य सी घटनाओं को गद्य लेख का रूप दे देते थे। दामोदर खड़से ने कहा कि मराठी कवि नारायण सुर्वे और नन्द बाबू दोनों लगभग समान हैं।

78वैं स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

आनन्द वृद्धाश्रम

मुमुक्षु भवन

उदयपुर • प्रयागराज (उ.प्र.) • रायपुर (छ.ग.)

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, वाराणसी

तारा नेत्रालय (आँखों के निःशुल्क अस्पताल)

• उदयपुर • दिल्ली • मुम्बई • फरीदाबाद (हरि.) • लोनी (उ.प्र.) •

तारा संस्थान - उदयपुर (राज.), 236, हिरण मगरी, सेक्टर 6, उदयपुर (राज.)

मो. नं. 9549399993, 9649399993, Website : www.tarasansthan.org

काफीघर में पाएट्री कैफे

झीलों की नगरी उदयपुर में युवा कलाकारों द्वारा निरन्तर कोई-न-कोई कला परिचर्चा एवं आपसी संवाद-संगोष्ठियों का आयोजन होता रहता है। इसी कड़ी में नौजवानों ने जाजम नामक एक परिसवांद काफीघर में 'पोएट्री कैफे' नाम से आयोजन किया। यह कार्यक्रम जाजम की चालक अनन्या मेहता द्वारा करवाया गया। इसमें उत्साह से लेकर दर्द भरे सभी एहसासों से भरपूर जाजम की प्रस्तुति उल्लेखनीय रही। इसकी खास बात यह रही कि 13 शौकिया कवियों ने 6 भिन्न भाषाओं में उनके अंग्रेजी अनुवाद के साथ कविताएं प्रस्तुत कीं। इन भाषाओं में शामिल थीं- हिन्दी, उर्दू, अंग्रेजी, गुजराती, कश्मीरी और स्पेन की एक क्षेत्रीय उपभाषा डैस्क। कविताओं के विषय अनोखे थे। इसमें एक कवि ने सड़क पर कचरा बेच अपनी जीविका कमाने वालों के बारे में एक दिल छूने वाली कविता प्रस्तुत की। सभी कविताएं नौजवानों द्वारा प्रस्तुत की गई। यह आयोजन दाक-वाक नामक एक सोशल मीडिया पेज के सहयोग में किया गया।

-अर्थांक भानावत

ओलंपिक फेस्टिवल सम्पन्न

उदयपुर (ह. सं.)। थर्ड स्पेस और फ्रांसीसी दूतावास की सांस्कृतिक इकाई अलायन्स फ्रांस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 11 दिवसीय ओलंपिक फेस्टिवल का धूमधाम से समापन हुआ। फेस्टिवल के दौरान जानेमाने खेल प्रतिनिधियों के साथ पैनल डिसकेशंस, जूडो, फुटबॉल जैसे खेलों पर वर्कशॉप आयोजित की गई। धरोहर के पार्टनरशिप हेड रोहित जानी ने बताया कि इस दौरान थर्ड स्पेस सिनेमा में खेलों से जुड़ी फ़िल्मों का प्रदर्शन किया गया। धरोहर के सीईओ केतन भट्ट ने बताया कि फेस्टिवल में जिला ओलंपिक संघ ने बहुमूल्य सहयोग प्रदान किया। समापन पर साडा डांस अकादमी के बच्चों की ब्रेक डांस प्रस्तुति और रजत मेघनानी की कहानी का लोगों ने भरपूर आनंद लिया।

शौर्यधरा राजस्थान के सारस्वत
आकाश के धूमकेतु, बौद्धिक सम्पदा के मेरूदण्ड
एवं
राजस्थान विद्यापीठ के महान शिल्पी को उनकी
27वीं पुण्यतिथि पर भावांजलि

मनीषी पं. जनार्दनराय नागर

बड़ा काम कैसे होता है, पूछा मेरे मन ने।
बड़ा लक्ष्य हो, बड़ी तपस्या, बड़ा हृदय मृदु वाणी
किन्तु अहं छोटा हो जिससे सहज मिले सहयोगी।

हुतात्मा को नमन-वंदन

आपकी इन पंक्तियों के साथ आपको स्मृति में संजोए हम सभी
जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड-टू-बी विश्वविद्यालय) एवं कुल परिवार

SAI TIRUPATI UNIVERSITY, UDAIPUR

(Approved under Section 2(f) of UGC Act 1956)

Web: www.saitirupatiuniversity.ac.in | Email: info@saitirupatiuniversity.ac.in

ADMISSION OPEN 2024-25

PIMS PACIFIC INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES

• M.B.B.S. • MD/MS • M.Sc. in Medical Sciences | Contact : 95878 90081, 95878 90096

PIMS VENKTESHWAR INSTITUTE OF PARAMEDICAL SCIENCES

(Approved by RPMC) 9257016003, 9587890142

• **Diploma**
Radiation Technology, Operation Theater Technology, Medical Laboratory, Technology, ECG Technology, Cath Lab Technology. Dialysis Technology, Blood Bank Technology, Endoscopy Technology, EEG Technology, Ophthalmic Technology

• **B.Sc.**
Medical Lab Technology, Ophthalmic Technology, Radio Imaging Technology

PIMS VENKATESHWAR INSTITUTE OF PHARMACY

(Approved by PCI) 9257016004, 9587890082

• D. Pharm • B. Pharm

PIMS VENKTESHWAR COLLEGE OF PHYSIOTHERAPY

9257016002, 958789082

• B.P.T. • M.P.T.

PIMS RESEARCH PROGRAM

9587890082, 9358883194

• Ph.D. (Nursing) • Ph.D. (Anatomy)
• Ph.D. (Bio-Chemistry) • Ph.D. (Microbiology)
• Ph.D. (Pharmacology) • Ph.D. (Physiology)
• Ph.D (Management) • Ph.D (Physiotherapy)

PIMS VENKTESHWAR SCHOOL/COLLEGE OF NURSING

9587890082, 9257016001

• G.N.M. • B.Sc. (Nursing)
• **M.Sc. Nursing**
Child Health, Mental Health, Community Health, Midwifery and Obstetrical, Medical Surgical

PIMS VIFT & MASS COMMUNICATION

9588936922, 9672978017

• B.Voc/B.Des • M.Voc/M.Des
• BA-JMC • MA-JMC • Diploma/Advance Diploma

PIMS VENKTESHWAR INSTITUTE OF MANAGEMENT STUDIES

9672978017, 9672978038

• **BBA** (International Business)
• **MBA** (Hospital Administration & Health Care Management)

PIMS INSTITUTE OF COMPUTER APPLICATIONS

9672978017, 9587890063

• B.C.A

PIMS PACIFIC DENTAL COLLEGE & HOSPITAL

(Recognised by DCI) 9116132834

• B.D.S • M.D.S

ADMISSION HELPLINE : 9587890082, 9358883194

PIMS HOSPITAL UMARDA — PIMS HOSPITAL, UMARDA, UDAIPUR

Emergency : 0294-3510000

EMAIL : INFO@PACIFICMEDICALSCIENCES.AC.IN |
WEB : WWW.PACIFICMEDICALSCIENCES.AC.IN |
UMARDA RAILWAY STATION ROAD, UDAIPUR (RAJ.)

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक डॉ. तुक्तक भानावत द्वारा 904, आर्ची आर्केड, राम-लक्ष्मण वाटिका के पास, न्यू भूपालपुरा उदयपुर - 313001 (राज.) से प्रकाशित एवं मुद्रक लोकेश कुमार आचार्य द्वारा मैसर्स पुकार प्रिंटिंग प्रेस 311-ए, चित्रकूट नगर, भुवाणा, उदयपुर (राज.) से मुद्रित। सम्पादक : रंजना भानावत।
फोन : 0294-2429291, मोबाइल-9414165391, Email : shabdranjanudr@gmail.com, drtuktakbhanawat@gmail.com, सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।